प्रेस-विज्ञप्ति

31-05-15

मानव जीवन में हम जो चाहे वो कर सकते हैं- दादी गुल्ज़ारजी
जीवन में निमित्त भाव बहुत जरूरी है- सोमनाथ भारती
राजनीति एक सेवा का क्षेत्र है कोई व्यवसाय नहीं- कुमारी सैलजा
राजनीति में पारदर्शिता का होना बहुत जरूरी-हरीश सिंह नालवा

वर्तमात समय मन की शान्ति की बहुत आवश्यकता है। मन अगर शान्त नहीं है तो मानव जीवन आनन्दकारी नहीं हो सकता। हमें ये मानव जीवन इसलिए मिला है कि हम श्रेष्ठ कार्य करें। उक्त विचार **गुड़गाँव,** ब्रह्माकुमारीज़ के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में **ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त प्रशासिका आदरणीय राजयोगी गुल्ज़ार दादीजी** ने राजनेताओं के लिए तनावमुक्ति विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में हम जो चाहे वो कर सकते हैं हमारे अन्दर अच्छे और बुरे की पूरी समझ है। आप सब यहाँ पर आये हैं मन की शान्ति के लिए। जब आप यहाँ से जाएं तो सदा यही ध्यान रखें कि हर कार्य करने से पहले परमात्मा पिता को याद करें, परमात्मा की याद से एक अलौकिक शक्ति उन्पन्न होती है जिससे सहज़ ही सफ्लता प्राप्त होती है।

आम आदमी पार्टी के विधायक सोमनाथ भारती ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब हम निमित्त भाव और परमात्मा को समर्पित होकर सेवा करते हैं तो जीवन में तनाव स्वत: ही कम हो जाता है। तनाव का असली कारण मैं और मेरेपन से आता है। मैं जबसे ब्रह्माकुमारीज़ संस्था से जुड़ा हूँ, मेरे अन्दर बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। हमें चाहिए कि जो कुछ भी हम सीखकर जाएं उसे अपने कार्यक्षेत्र में जरूर अपनायें।

कुमारी सैलजा, पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री, भारत सरकार ने कहा कि वर्तमान में तनाव का जीवन से गहरा नाता। बचपन से ही बच्चों में पढ़ाई का तनाव पैदा हो जाता है। अगर हम राजनीतिक स्तर पर अपने पद एवं पॉजीसन का सही उपयोग करते हैं, जनहित में करते हैं तो तनाव नहीं होता। राजनीति एक सेवा का क्षेत्र है कोई व्यवसाय नहीं। ऐसे आध्यात्मिक वातावरण से मैं एक सकारत्मक ऊर्जा लेकर जाऊँगी। यहाँ से हम जो कुछ भी सीखकर जायेंगे उससे केवल हमारे राजनीतिक जीवन ही नहीं अपितु पारिवारिक एवं व्यक्तिगत जीवन में भी बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा किए जा रहे कार्य की प्रशंसा करते हुए यही शुभ-कामना करती हूँ कि आप जनहित में निरन्तर आगे बढ़ते ही रहें।

हरीश सिंह नालवा, पूर्व सांसद ने अपने उद्बोधन में कहा कि अगर तनाव मुक्त रहना है तो कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। दूसरों को झूठा आश्वासन नहीं दो। उन्होंने कहा कि मैंने अपने 45 साल के राजनैतिक जीवन में कभी-भी जात-पात के नाम पर व शराब बाँटकर वोट नहीं माँगे। हम जब राजनीति में सेवाभाव

से आते हैं तो हमें ईमानदारी से काम करना चाहिए। राजनीति में जितनी पारदर्शिता होगी उतना तनाव कम होगा।

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्य सचिव, भ्राता ब्रजमोहन जी ने बताया कि जब तक हम स्वयं को नहीं जानेंगे तब तक तनाव से मुक्त नहीं हो सकते। तनाव का मुख्य कारण मानव का सत्य से दूर होना है। जब हम स्व-स्वरूप को पहचान कर अपने मूल्यों और गुणों का बोध कर लेते हैं तो जीवन में सरलता आ जाती है।

अशोक वाल्मिकी, राज्यमंत्री सफ़ाई कर्मचारी आयोग, मध्य प्रदेश ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सबसे पहले परमात्मा का धन्यवाद करना चाहता हूँ जिसने हमें इतने सुन्दर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत वातावरण में एकत्र किया। उन्होंने कहा कि राजनैतिक कार्यकर्ता भी एक सामाजिक व्यक्ति है। उन्हें भी तनाव होता है लेकिन जब एक जनप्रतिनिधि निस्वार्थ भाव से सेवा करता है तो उसे तनाव का सामना नहीं करना पड़ता।

अरूण शर्मा, पूर्व सांसद, असम ने कहा कि मैं दो बार सांसद रहा जिस कारण लोंगो की अपेक्षाओं का इतना भार होता था कि कई बार तनाव महसूस हुआ। जबसे मैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्था से जुड़ा मैंने अपने जीवन में बहुत परिवर्तन पाया। ऐसा नहीं कि मेरे जीवन में परिस्थिति नहीं आती परन्तु राजयोग से मेरी आन्तरिक शक्ति इतनी बढ़ गई, जो मैं उनका सामना अच्छे ढ़ग से कर सकता हूँ।
पूरन प्रकाश जी, विधायक मथुरा एवं पूर्व विधायक गंगाराम जी आन्ध्रा प्रदेश ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने बताया कि तनाव का मूल कारण आत्मिक शक्तियों का अभाव है, आज हम जनसेवा तो करते हैं, लेकिन बिना आध्यात्मिकता के हमें सही परिणाम नहीं मिलते। आध्यात्मिकता हमारे अन्दर आत्मिक शक्तियों का संचार करती है और हम रिचार्ज हो जाते हैं। जितना हम आत्मिक रूप से चार्ज होते हैं उतना कैसी भी परिस्थिति हो उसमें स्थिर रह सकते हैं। **मैसूर से आई बी के लक्ष्मी बहन** ने सबको योग के द्वारा बहुत गहन शान्ति का अनुभव कराया।

कार्यक्रम में कई जानी-मानी राजनीतिक हस्तियों ने भाग लिया जिसमें अनेक वर्तमान एवं पूर्व सांसद और विधायक सम्मिलित हुए। विशेष रूप से पैनल डिस्कशन भी रखे गये।